# जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

७ दिसंबर २०१८

## प्रेस विज्ञप्ति

बाबा साहब भीमराव रामजी अम्बेडकर जी के महापरिनिर्वाण दिवस पर जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय प्रशासन बाबा साहब के सम्मान में पिछले दो वर्षों से भव्य कार्यक्रम का आयोजन करता आ रहा है। इस वर्ष भी यह कार्यक्रम बड़ी आत्मीयता के साथ मनाया गया| विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा दूसरी बार आयोजित इस कार्यक्रम में प्रमुख वक्ता के रूप में भारत सरकार के पूर्व सचिव एवं वरिष्ठ आई. ए. एस. श्री पी एस कृष्णन, प्रोफेसर शीला रेड्डी , निदेशक डॉ अम्बेडकर चेयर, आई आई पी ए, नई दिल्ली, प्रोफेसर एम जगदीश कुमार, कुलपति, प्रोफेसर राणा प्रताप सिंह, रेक्टर 3 , प्रोफेसर विवेक कुमार इत्यादि ने महत्वपूर्ण वक्तब्य दिया|

जिस तरह से 'महान वैज्ञानिक जगदीश चंद्र बोस ने रेडियो फ्रीक्वेंसी का आविष्कार किया था और उसी को आधार बनाकर आज 4 जी और 5 जी के स्पेक्ट्रम की दुनिया में हम आगे बढ़ रहे है लेकिन उस समय उनके आविष्कार को उतना महत्व नहीं दिया गया ठीक उसी तरह बाबा साहब डॉ आंबेडकर के विजन एवं उनकी विश्वदृष्टी के दूरगामी महत्व को उनके तत्कालीन समय में उतना महत्व नहीं मिला जितना आज मिल रहा है| यह बाते एम जगदीश कुमार कुलपति जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने बाबा साहब डॉ अम्बेडकर की 63 महापरिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में कही|

स्वागत वक्तव्य देते हुए प्रो राणा प्रताप सिंह ने कहा की किसी भी देश के सर्वांगीन विकास में उस देश की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है| बाबा साहब मूलतः अर्थशास्त्री थे और उन्होंने अपनी विश्वव्यापी आर्थिक बौद्धिकता के बल पर भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने का महत्वपूर्ण काम किया| कृषि के औधोगिकीकरण के प्रबल समर्थक डॉ अम्बेडकर की यह मान्यता थी की हम कृषि को उद्योग का दर्जा देकर अपनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ कर सकते है| भारत के आर्थिक, सामाजिक और वैचारिक उन्नयन में डॉ अम्बेडकर का योगदान अपरिमित है। उन्हें केवल वंचित और दलितों का नेता कहना उचित नहीं। बाबा साहब ने रिज़र्व बैंक, जल परियोजनाओं, कृषि और उद्योग को बढ़ावा देकर एक नया प्रतिमान स्थापित किया है।

श्री पी एस कृष्णन ने बताया की जब वे सचिव कल्याण मंत्रालय भारत सरकार में थे तभी तत्कालीन केन्द्रीय सरकार के सहयोग से संसद भवन में बाबा साहब का तैल चित्र लगवाया गया| बाबा साहब की जयन्तियां आधिकारिक तौर पर मनाये जाने की शुरुआत हुई एवं संसद भवन में 14 अप्रैल एवं 6 दिसम्बर को माल्यार्पण एवं पुष्पांजली की शुरुआत हुई| उन्होंने कुलपति महोदय द्वारा विगत दो वर्षों से आधिकारिक रूप से विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा बाबा साहब की जयंती एवं परिनिर्वाण दिवस मनाये जाने की भूरी भूरी प्रशंसा की| प्रो शीला रेड्डी ने अपने वक्तव्य में बाबा साहब द्वारा महिलाओं के लिए किये जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों को बताते हुए बुद्धिजीवियों के दो प्रकारों को भी बेहतरीन तरीके से व्याख्यायित किया| कार्यक्रम का संचालन प्रो सुधीर कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री सुरेन्द कुमार ने किया| कार्यक्रम के आयोजन में प्रो. विनोद कनौजिया, प्रोफेसर अरुण खरात, डॉ मनुराधा चौधरी, डॉ अनुजा, डॉ राजेश पासवान, कुमायिल अहमद आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा|

(कुलसचिव)